University in News on 21 October 2023

JAGRAN CITY PAGE I

एम.ए. और एल.एल.बी. का रिजल्ट घोषित

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों का सम सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। एल.एल.बी. चौथे सेमेस्टर, एम.ए. भूगोल दूसरे, एम.ए. कंपोजिट इतिहास चौथे सेमेस्टर, एम.ए. अर्थशास्त्र दूसरे, एम.ए. एजुकेशन चौथे सेमेस्टर, एम.एस.सी. बायोकेमिस्ट्री चौथे सेमेस्टर, बी.एस.सी कृषि आनर्स चौथे और छठे सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित हो गया है।

इसके अलावा एम.एस.सी बाटनी चौथे सेमेस्टर, एम.ए. फ्रेंच दूसरे सेमेस्टर, एम. ए. मास कम्युनिकेशन चौथे सेमेस्टर, एम.एस.सी केमिस्ट्री चौथे, एम.ए. साइकोलाजी, बी.एड. एम.एस.सी मैथ्स चौथे सेमेस्टर, बी.बी.ए. इंटरनेशनल बिजनेस दूसरे, मैनेजमेंट, मैनेजमेंट साइंस का रिजल्ट घोषित हो गया है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अभ्यर्थी रिजल्ट देख सकते हैं।

बी.टेक. का रिजल्ट घोषित : एकेटीयू ने बी.टेक. दूसरे और चौथे सेमेस्टर रेगुलर का रिजल्ट घोषित हो गया है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अभ्यर्थी रिजल्ट देख सकते हैं।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट घोषित: डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय ने सत्र 2023-24 के लिए आयोजित पीएचडी प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट घोषित कर दिया है। हर विषय में दो श्रेणियों में रिजल्ट घोषित किया गया है। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

शुभी शर्मा को बीरबल साहनी समेत तीन गोल्ड मेडल मिलेंगे

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। 66वें दीक्षांत समारोह के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को 11 पदक पाने वाले अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी। समारोह छह दिसंबर को विवि आर्ट्स ट्रिंगल में हो सकता है।

सूची के मुताबिक विज्ञान संकाय की शुभी शर्मा को एमएससी बॉटनी में सर्वाधिक अंक हासिल करने के लिए चार पदक मिलेंगे। उन्हें वीरबल साहनी स्वर्ण पदक, कामायनी मेमोरियल गोल्ड मेडल, एससी अग्रवाल मेमोरियल और श्री रिखेश्वर लाल सिन्हा गोल्ड मेडल से नवाजा जाएगा।

एमए समाजशास्त्र की छात्रा अंशिका श्रीवास्तव को समाजशास्त्र विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए तीन स्वर्ण पदक मिलेंगे। उन्हें डॉ. बीएस हैकरवाल मेमोरियल, लायंस क्लब ऑफ लखनऊ व प्रो. एके सरन और श्रीमती सुशीला सरन गोल्ड मेडल इन सोशोलॉजी से नवाजा जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 66वें दीक्षांत समारोह के लिए जारी की 11 पदकों की सूची

एमए समाजशास्त्र की छात्रा अंशिका को मिलेंगे तीन स्वर्ण पदक

मिथलेश व मणि को मिलेंगे दो-दो स्वर्ण पदक

- दीक्षांत समारोह में एमए हिंदी में सर्वश्रेष्ठ छात्रा मिथलेश कुमार को दो स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। उन्हें डॉ. राय राजेश्वर बली और चंद्र मोहिनी कौल मेमोरियल गोल्ड मेडल मिलेगा। एमबीए में सर्वाधिक अंक पाने के लिए मणि निगम श्री अनंत पांडेय मेमोरियल और डॉ. कृष्णा सहाय चौधरी गोल्ड मेडल से नवाजे जाएंगे।

HINDUSTAN PAGE 9

एनआईआरएफ रैंकिंग में पीएचडी शोधार्थी को न गिना जाए छात्र

लखनऊ। नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में उच्च शिक्षा के सचिव की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की बैठक हुई। इसमें लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने एनआईआरएफ रैंकिंग की मौजूदा पद्धति से अकादमिक संस्थानों को हो रही परेशानी पर सुझाव दिए। उन्होंने कहा, एनआईआरएफ रैंकिंग में पीएचडी शोधार्थी को छात्र के तौर पर गिना जाता है, जो नहीं होना चाहिए।

उच्च शिक्षा के सचिव के साथ बैठक में लविवि कुलपति ने रखे सुझाव

उन्होंने यूजीसी के नियमों के हिसाब से शिक्षक छात्र अनुपात (एफएसआर) तय करने का सुझाव दिया। एनआईआरएफ के वेब ऑफ साइंस और स्कॉर्पस डेटाबेस में सूचीबद्ध प्रकाशन अपनाने पर ध्यान आकर्षित कराया। (संवाद)

शुभी को बीरबल साहनी समेत चार गोल्ड

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएससी बॉटनी की छात्रा शुभी शर्मा को बीरबल साहनी मेमोरियल गोल्ड मेडल समेत चार पदक दिए जाएंगे। दीक्षांत समारोह के लिए शुक्रवार को जारी 11 पदकों की सूची में छात्रा का नाम शामिल है।

एलयू में 66वें दीक्षांत समारोह के मद्देनजर अब तक 22 पदकों की सूची घोषित कर दी गई है। शुक्रवार को जारी 11 पदकों की सूची में छात्रा शुभी शर्मा को एमएससी बॉटनी में सर्वाधिक अंक हासिल करने के लिए चार पदक दिए जाने का जिक्र है। दीक्षांत में शुभी को बीरबल साहनी मेमोरियल, कामायनी मेमोरियल, एससी अग्रवाल मेमोरियल और श्री रिखेश्वर लाल सिन्हा और श्रीमती प्रेरणा सिन्हा गोल्ड मेडल दिया जाएगा। वहीं एमए समाजशास्त्र की छात्रा अंशिका श्रीवास्तव को तीन गोल्ड मेडल दिया जाएगा। छात्रा को समाजशास्त्र में सर्वाधिक अंक के लिए डॉ. बीएस हैकरवाल मेमोरियल, लायंस क्लब ऑफ लखनऊ और प्रो. एके सरन और श्रीमती सुशीला सरन गोल्ड मेडल इन सोशोलॉजी से सम्मानित किया जाएगा।

मिथलेश को एमए हिंदी में सर्वश्रेष्ठ छात्रा होने के नाते दो गोल्ड मेडल मिलेंगे। मिथलेश को डॉ. राय राजेश्वर बली, चंद्र मोहिनी कौल गोल्ड मेडल दिया जाएगा। एमबीए में सर्वाधिक अंक के लिए छात्र मणि निगम श्री अनंत पांडेय मेमोरियल और डॉ. कृष्णा सहाय चौधरी गोल्ड दिया जाएगा।

रिजल्ट: बीबीए, एमए व एलएलबी के नतीजे जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय में सम सेमेस्टर-2023 परीक्षा के तहत कई यूजी व पीजी विषयों के परिणाम जारी किए गए हैं। छात्र-छात्राएं एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना अपना परीक्षाफल देख सकते हैं।

सहायक आचार्य पद की लिखित परीक्षा पांच को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य पद की लिखित परीक्षाएं पांच नवंबर को होंगी। परीक्षा के आधार पर वनस्पति विज्ञान, रसायन शास्त्र, भूविज्ञान, प्राणीशास्त्र, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, पश्चिमी इतिहास, विधि विभाग के आवेदकों की शॉर्ट-लिस्टिंग की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि प्रश्न पत्र में एक अंक के 40 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।

संस्थान की संस्कृति का पालन करें छात्र: कुलपति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को ओरिएंटेशन सप्ताह के तहत विज्ञान संकाय के कई विभागों के पीजी छात्रों का ओरिएंटेशन हुआ। अंतिम दिन वनस्पति विज्ञान, भौतिकी, प्राणीशास्त्र, सांख्यिकी, खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी, जैव रसायन, एप्लाइड जियोलॉजी और कंप्यूटर विज्ञान विभागों के छात्रों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि संस्थान की अपनी अनूठी संस्कृति होती है, छात्रों को इसकी प्रशंसा करनी चाहिए।

मानकों के हिसाब से पद स्वीकृत होते हैं

लखनऊ। नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क शिक्षक छात्र अनुपात का आकलन करते समय एक पर 15 के बेंचमार्क का उपयोग करता है। जबकि यूजीसी की ओर से स्नातक कार्यक्रमों में एफएसआर के लिए विज्ञान धारा में एक पर 25 और सामाजिक विज्ञान में एक पर 30 है। प्रो. आलोक राय ने कहा कि सरकार की ओर से वित्तपोषित विवि को मानकों के आधार पर ही संकाय पद स्वीकृत किए जाते हैं। इससे अलग बेंचमार्क नुकसानदायक है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति गुरुवार को नई दिल्ली के एनआईआरएफ की बैठक में फीडबैक दे रहे थे।

i-NEXT PAGE 4

यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में एफएसआर पर दें ध्यान

एनआईआरएफ की नई दिल्ली में हुई बैठक में बोले एलयू वीसी

LUCKNOW (20 Oct): एनआईआरएफ शिक्षक छात्र अनुपात (एफएसआर) का आंकलन करते समय 1:15 के बेंचमार्क का यूज करता है. स्नातक कार्यक्रमों में एफएसआर के लिए विज्ञान ब्रांच के लिए 1:25 व सामाजिक विज्ञान के लिए 1:30, यूजीसी की ओर से निर्धारित है. सरकार की ओर से वित्तपोषित यूनिवर्सिटी में मानकों के आधार पर संकाय पद स्वीकृत किए जाते हैं. इससे अलग कोई भी बेंचमार्क राज्य वित्त पोषित संस्थानों के लिए नुकसानदायक है. यह बात लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की बैठक में कही. बैठक में एनबीए के चेयरमैन अनिल सहस्रबुद्धे भी शामिल हुए.

शोध छात्रों को स्टूडेंट्स में गिनना चुनौती

प्रो. राय ने बताया कि एनआईआरएफ पीएचडी शोधकर्ता को भी छात्रों में गिनती है. इनके लिए यूजीसी द्वारा शिक्षक पद स्वीकृत नहीं हैं. इनकी छात्रों के रूप में गिनती एफएसआर को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है. एनआईआरएफ सिर्फ वेब ऑफ साइंस और स्कोपस डेटाबेस में सूचीबद्ध प्रकाशनों को ध्यान में रखता है. यह उन यूनिवर्सिटी के लिए बड़े नुकसान के रूप में है जिनमें मानविकी,भाषा, सामाजिक विज्ञान, दृश्य और प्रदर्शन कला, कानून और अन्य विषयों की प्रधानता है. उन्होंने कहा कि 2035 तक सकल नामांकन अनुपात को 50 फीसदी तक बढ़ाने के एनईपी-2020 के लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास में सबसे बड़ा योगदान राज्य विश्वविद्यालयों का होगा.

रो बने बैठक का हिस्सा

बैठक में आईआईटी कानपुर, आईआईटी मुंबई, टीआईएफआर, आईआईएससी, एम्स, एनडीआरआई, दिल्ली विश्वविद्यालय, एसपीए, नई दिल्ली, सीएमसी वेल्लोर, गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय, मिरांडा हाउस, लखनऊ विश्वविद्यालय आदि शामिल हुए.

एलयू के गंगा हॉस्टल में डांडिया उत्सव में दिखा गजब का उत्साह

LUCKNOW (20 Oct): एलयू के गंगा हॉस्टल में शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार के संरक्षण में डांडिया नाइट का आयोजन हुआ. इस दौरान छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम पेश किया. मौके पर चीफ प्रोवोस्ट अनूप कुमार सिंह, सेकंड कैंपस के निदेशक प्रो. बीडी सिंह, सहायक प्रोवोस्ट संयोजक डॉ. नीतम सिंह और सह संयोजक डॉ. प्रणति श्रीवास्तव मौजूद रहीं.

कर लो सफलता मुट्ठी में

एलयू के मनोविज्ञान विभाग में परामर्श मार्गदर्शन सेल की ओर से 'कर लो सफलता मुट्ठी में' कार्यक्रम हुआ. इस दौरान निदेशक सीजीसी डॉ. वैशाली सक्सेना ने स्टूडेंट्स को सफलता के मंत्र दिए. इसके अलावा कार्यक्रम में शामिल हुए वक्ताओं ने स्टूडेंट्स को बॉडी लैंग्वेज सुधारने, इंटरव्यू की तैयारी, कम्युनिकेशन स्किल को दुरुस्त रखने के भी टिप्स बताए. कार्यक्रम में 50 से अधिक स्टूडेंट्स ने भाग लिया.

ओरिएंटेशन प्रोग्राम में मिले छात्रों को सफलता के मंत्र

एलयू में 16 से 20 अक्टूबर के बीच किए जा रहे ओरिएंटेशन सप्ताह में आखिरी दिन बॉटनी, फिजिक्स, स्टेटिसटिक्स, खाद्य व प्रसंस्करण व प्रौद्योगिकी विभाग, जैव रसायन, अप्लाइड जियोलॉजी व कंप्यूटर साइंस विभाग में ओरिएंटेशन प्रोग्राम हुए. कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. संगीता साहू ने सभी नए स्टूडेंट्स को व्यक्तित्व निर्माण से जुड़े टिप्स दिए.

डांडिया उत्सव में छात्राओं ने दिखाई ऊर्जा

लखनऊ। लविवि के गंगा छात्रावास में नवरात्रि पर हवन पूजन और डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, डीन प्रो. बीडी सिंह, डॉ. नीतम सिंह उपस्थित रहे। (संवाद)

लविवि: 18 कोर्सों के परीक्षा परिणाम जारी

लखनऊ। लविवि ने शुक्रवार को 18 कोर्सों के परिणाम घोषित किए। इनमें दूसरे व चौथे सेमेस्टर के रिजल्ट शामिल हैं। (संवाद)

लविवि की विरासत सौ वर्ष पुरानी : कुलपति

लखनऊ। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को कहा कि हर शैक्षणिक संस्थान की गौरवशाली विरासत होती है। विवि सौभाग्यशाली है कि उसके पास सौ वर्ष से भी पुरानी विरासत है। विद्यार्थियों को इसकी सराहना करनी चाहिए और ईमानदारी से शिक्षा हासिल कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग करना चाहिए। कुलपति शुक्रवार को मालवीय सभागार में ओरिएंटेशन वीक के समापन कार्यक्रम में बोल रहे थे। (संवाद)

AMRIT VICHAR PAGE 4

शुभी शर्मा को चार पदक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएससी बॉटनी की छात्रा शुभी शर्मा को बीरबल साहनी मेमोरियल गोल्ड मेडल समेत चार पदक दिए जाएंगे। दीक्षांत समारोह के लिए शुक्रवार को जारी 11 पदकों की सूची में छात्रा का नाम शामिल है। विश्वविद्यालय में 66वें दीक्षांत समारोह के मद्देनजर अब तक 22 पदकों की सूची घोषित कर दी गई है।

शुक्रवार को जारी 11 पदकों की सूची में छात्रा शुभी शर्मा को एमएससी बॉटनी में सर्वाधिक अंक हासिल करने के लिए चार पदक दिए जाने का जिक्र है। दीक्षांत में शुभी को बीरबल साहनी मेमोरियल, कामायनी मेमोरियल, एससी अग्रवाल मेमोरियल और रिखेश्वर लाल सिन्हा और प्रेरणा सिन्हा गोल्ड मेडल दिया जाएगा। वहीं एमए समाजशास्त्र की छात्रा अंशिका श्रीवास्तव को तीन गोल्ड मेडल दिया। जाएगा। छात्रा को समाजशास्त्र विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए डॉ. बीएस हेकरवाल मेमोरियल, लायंस क्लब ऑफ लखनऊ और प्रो. एके सरन और सुशीला सरन गोल्ड मेडल इन सोशोलॉजी से सम्मानित किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह

- लविवि ने शुक्रवार को जारी की दूसरी पदक सूची

मिथलेश और मणि को दो-दो पदक

मिथलेश कुमार को एमए हिंदी में सर्वश्रेष्ठ छात्रा होने के नाते दो गोल्ड मेडल मिलेंगे। मिथलेश को डॉ. राय राजेश्वर बली और चंद्र मोहिनी कोल मेमोरियल गोल्ड मेडल दिया जाएगा। जबकि एमबीए में। सर्वाधिक अंक पाने के लिए छात्र मणि निगम अनंत पंडिय मेमोरियल और डॉ. कृष्णा सहाय चौधरी गोल्ड मेडल से सम्मानित होंगे।

निभा, शुभि और मानसी को मिला गोल्ड मेडल

एलयू ने 11 गोल्ड मेडल के लिए किया मेधावियों का चयन

LUCKNOW (20 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी का दीक्षांत 6 दिसंबर को होना है. 66वें दीक्षांत समारोह के लिए एलयू ने शुक्रवार को दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले 11 गोल्ड मेडल के लिए मेधावियों का चयन किया. इसमें निभा निरंजन, कीर्ति सिंह, ऊत्कर्ष ओझा, मानसी गुप्ता, शुभि शर्मा, मिथलेश कुमार, अंशिका श्रीवास्तव के नाम शामिल हैं.

इन्हें मिलेगा गोल्ड मेडल

एलयू के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक 11 गोल्ड मेडल में बीरबल साहनी मेमोरियल गोल्ड, कामायनी मेमोरियल गोल्ड मेडल, श्री रिकेश्वर लाल सिन्हा व प्रेमा सिन्हा गोल्ड मेडल के अलावा एससी अग्रवाल मेमोरियल गोल्ड मेडल शुभि शर्मा, डॉ. राय राजेश्वर बली गोल्ड मेडल और चंद्र मोहिनी कौल मेमोरियल गोल्ड मेडल मिथलेश कुमार, डॉ. बीएस हेकरवाल मेमोरियल गोल्ड मेडल, प्रो. एके सरन व सुशीला सरन गोल्ड मेडल इन सोशियोलॉजी, लायन्स क्लब ऑफ गोल्ड मेडल अंशिका श्रीवास्तव, अनंत पांडेय मेमोरियल गोल्ड मेडल, डॉ. कृष्णा सहाय चौधरी गोल्ड मेडल मणि निगम को चुना गया है.

स्टूडेंट्स का परिचय

- शुभि शर्मा- बॉटनी एमएससी में 82.63 फीसदी अंक
- मिथलेश कुमार- बेस्ट एमए स्टूडेंट, हिन्दी एमए में 81 फीसदी अंक लाने के लिए
- अंशिका श्रीवास्तव- एमए सोशियोलॉजी में सबसे अधिक 81.33अंक लाने के लिए
- मानसी निगम- एमबीए में सबसे अधिक 80.96 फीसदी अंक

डिजिलॉकर में अपलोड होंगी डिग्रियां

दीक्षांत में इस साल 53 हजार स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी जाएंगी. सभी डिग्रियां राज्यपाल व कुलाधिपति देंगी. इस बार एलयू ने डिजिलॉकर के जरिए डिग्री देने की व्यवस्था की है. एक ही क्लिक पर डिजिलॉकर में डिग्रियां अपलोड हो जाएंगी. इसके बाद एलयू डाक के जरिए स्टूडेंट्स के घर पर भेजी जाएंगी.

छात्रों का नामांकन बढ़ाने में राज्य विश्वविद्यालयों की भूमिका अधिक

जासं, लखनऊ : राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) ने भारत रैंकिंग में भाग लेने वाले संस्थानों के चुनिंदा समूह से सुझाव और फीडबैक लेने के लिए नई दिल्ली के डा. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में बैठक की। बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने राज्य विश्वविद्यालयों के लिए रैंकिंग में आने वाली समस्याओं को बताया। कहा कि एनआइआरएफ शिक्षक छात्र अनुपात (एफएसआर) का आकलन करते समय 1:15 के बेंचमार्क का उपयोग करता है।

उन्होंने कहा कि स्नातक में एफएसआर के लिए विज्ञान में 1.25 प्रतिशत और सामाजिक विज्ञान में 1.30 प्रतिशत का अनुपात यूजीसी से निर्धारित है। सरकार से वित्तपोषित विश्वविद्यालयों को इसी मानक के आधार पर ही संकाय पद स्वीकृत किए जाए है। इससे शिक्षकों की अतिरिक्त भर्ती नहीं की जा सकती। कुलपति ने यह भी बताया कि वर्ष 2035 तक सकल नामांकन अनुपात को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने में सबसे बड़ा योगदान राज्य विश्वविद्यालयों का होगा। बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय के अलावा आइआइटी कानपुर, आइआइटी बांबे, आइआइएससी, एम्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, मिरांडा हाउस सहित अन्य संस्थानों ने हिस्सा लिया।

शुभि शर्मा को मिलेंगे चार स्वर्ण पदक

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में छह दिसंबर को होने वाले दीक्षा समारोह में पदक पाने वाले मेधावियों की दूसरी सूची जारी की है। इसमें एम.एस.सी. वनस्पति विज्ञान में टापर शुभि शर्मा को चार स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। एम.एस.सी. वनस्पति विज्ञान में शुभि ने सबसे अधिक 82.63 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। एम.ए. हिंदी में सर्वाधिक 81 प्रतिशत अंक पाने वाले मिथिलेश कुमार को दो स्वर्ण पदक, एम.ए. समाजशास्त्र में सबसे अधिक 81.13 प्रतिशत अंक पाने पर अंशिका श्रीवास्तव को तीन स्वर्ण पदक और एम.बी.ए. में सबसे अधिक 80.96 प्रतिशत अंक पाने पर मणि निगम को दो स्वर्ण पदक दिए जाएंगे।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 7

NIRF की बैठक में लविवि कुलपति ने उठाए कई मुद्दे

■ पांच साल बाद हुई बैठक

लखनऊ (एसएनबी)। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) ने सचिव (उच्च शिक्षा), शिक्षा मंत्रालय की अध्यक्षता में भारत रैंकिंग पर भाग लेने वाले संस्थानों के एक चुनिंदा समूह से सुझाव और फीडबैक लेने के लिए बैठक का आयोजन किया। बैठक में एनबीए के चेयरमैन अनिल सहस्रबुद्धे भी शामिल थे। बैठक का आयोजन डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में हुआ। इस तरह की बैठक अंतिम बार 2018 में हुई थी। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. आलोक कुमार राय, संस्थागत प्रमुखों के उन चुनिंदा समूह में शामिल थे, जिन्हें एनआईआरएफ मूल्यांकन की मौजूदा पद्धति और विभिन्न अधिदेश वाले अकादमिक संस्थानों द्वारा सामना की जाने वाली बाधाओं पर विचार-मंथन के लिए आमंत्रित किया गया।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने राज्य विश्वविद्यालयों के लिए रैंकिंग में आने वाली कई समस्याएं उठाईं। उन्होंने बताया कि एनआईआरएफ शिक्षक छात्र अनुपात (एफएसआर) का आकलन करते समय 1:15 के बेंचमार्क का उपयोग करता है, वही स्नातक कार्यक्रमों में एफएसआर के लिए विज्ञान धारा के लिए 1:25 एवं सामाजिक विज्ञान के लिए 1:30, यूजीसी द्वारा निर्धारित है। प्रो. आलोक कुमार राय ने इस बात पर भी सब का ध्यान आकृष्ट किया कि एनआईआरएफ केवल वेब ऑफ साइंस और स्कोपस डेटाबेस में सूचीबद्ध प्रकाशनों को ध्यान में रखता है। यह उन विश्वविद्यालयों के लिए एक बड़े नुकसान के रूप में कार्य करता है जिनमें मानविकी,भाषा, सामाजिक विज्ञान, दृश्य और प्रदर्शन कला, कानून और अन्य विषयों की प्रधानता है। इन विषयों में प्रकाशनों को भी उचित महत्व प्रदान करने के लिए कुछ तरीके ढूंढे जाने चाहिए। उन्होंने सब का ध्यान इस पर भी आकर्षित किया कि 2035 तक सकल नामांकन अनुपात को 50 तक बढ़ाने के एनईपी-2020 के लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास में सबसे बड़ा योगदान राज्य विश्वविद्यालयों का होगा, और इस बड़ी आबादी पर ध्यान देने के लिए उनकी सराहना की जानी चाहिए। इन विचारों पर अब एनआईआरएफ अपनी समीक्षा बैठक में उदारतापूर्ण विचार करेगा, ऐसा सचिव (उच्च शिक्षा), शिक्षा मंत्रालय ने कहा ।

PIONEER PAGE 3

एनआईआरएफ की बैठक में एलयू वीसी ने बताया एफएसआर को बड़ा मुद्दा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने राज्य विश्वविद्यालयों के लिए रैंकिंग में आने वाली कई समस्याओं को प्रमुखता से रखा। इनमें रैंकिंग में न आने के पीछे प्रो. राय ने फैकल्टी स्टूडेंट रेशियो (एफएसआर) को मुख्य वजह करार दिया है। एनआईआरएफ रैंकिंग को लेकर सुझाव व फीडबैक लेने के लिए आयोजित बैठक में एनबीए के चेयरमैन अनिल सहस्रबुद्धे भी शामिल थे। गोलमेज बैठक में चर्चा मुख्य तौर देश भर में उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के विभिन्न अधिदेशों पर केंद्रित रही। साथ ही कैसे समान मूल्यांकन मापदंडों से रैंकिंग की सही तस्वीर सामने नहीं आ पा रही है। बैठक में प्रो. राय का कहना था कि एफएसआर के लिए विज्ञान धारा के लिए 1:25 एवं सामाजिक विज्ञान के लिए 1: 30 यूजीसी द्वारा निर्धारित है।

सरकार द्वारा वित्तपोषित विश्वविद्यालयों को उपरोक्त मानकों के आधार पर ही संकाय पद स्वीकृत किये जाते हैं, इसलिए इससे अलग कोई भी बेंचमार्क राज्य वित्त पोषित संस्थानों के लिए नुकसानदायक है। उनका कहना था कि अगर वह चाहे तो भी शिक्षकों की अतिरिक्त भर्ती नहीं की जा सकती क्योंकि यह निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन होगा। इसके अलावा एनआईआरएफ पीएचडी शोधकर्ता को भी छात्रों में गिनता है, जिनके लिए यूजीसी द्वारा कोई भी शिक्षक पद स्वीकृत नहीं हैं। इनकी छात्रों के रूप में गिनती एफएसआर को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। कई अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग भी पीएचडी शोधकर्ता को छात्रों में नहीं सम्मलित करती हैं। बैठक में प्रो आलोक कुमार राय ने इस बात पर भी सब का ध्यान आकृष्ट किया कि एनआईआरएफ केवल वेब ऑफ साइंस और स्कोपस डेटाबेस में सूचीबद्ध प्रकाशनों को ध्यान में रखता है। यह उन विश्वविद्यालयों के लिए एक बड़े नुकसान के रूप में कार्य करता है जिनमें मानविकी,भाषा, सामाजिक विज्ञान, दृश्य और प्रदर्शन कला, कानून और अन्य विषयों की प्रधानता है। इन विषयों में प्रकाशनों को भी उचित महत्व प्रदान करने के लिए कुछ तरीके ढूंढे जाने चाहिए। उन्होंने सबका ध्यान इस पर भी आकर्षित किया कि 2035 तक सकल नामांकन अनुपात को 50 फीसद तक बढ़ाने के एनईपी-2020 के लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास में सबसे बड़ा योगदान राज्य विश्वविद्यालयों का होगा।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू में कर लो सफलता मुट्ठी में कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने परामर्श मार्गदर्शन सेल के सहयोग से मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डॉ.अर्चना शुक्ला की देखरेख में छात्रों के लिए कर लो सफलता मुट्ठी में नामक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में डॉ.वैशाली सक्सेना निदेशक सीजीसी ने प्रेरणा विषय पर एक कहानी साझा सुनाई। उन्होंने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि जीवन में लक्ष्यों और सफलता को प्राप्त करने में प्रेरणा कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। निदेशक तौकीर ने इस बात पर जोर दिया कि अगर ताकत, क्षमता और कौशल दोगुना हो जाए तो यह किस प्रकार सपनों की नौकरी पाने में मदद करेगा। उन्होंने एबीसी मॉडल के बारे में बात की जिसमें ए का मतलब उपस्थिति, बी का मतलब शारीरिक भाषा और सी का मतलब संचार कौशल है। उन्होंने

साक्षात्कार के लिए व्यक्ति की स्वयं की प्रस्तुति के बारे में भी चर्चा की। तौकीर ने बताया कि साक्षात्कार में शारीरिक बनावट कितनी महत्वपूर्ण है। यह साक्षात्कारकर्ता पर प्रभाव डालेगा और साथ ही व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास पैदा करेगा। इसके अलावा उन्होंने बॉडी लैंग्वेज पर जोर दिया और बताया कि यह कैसे साक्षात्कार के दौरान विचार, संचार कौशल का समर्थन करता है। यह कार्यक्रम अनोखा था क्योंकि कार्यक्रम का फोकस पुरुष था। बहुत कम कार्यक्रम पुरुष उन्मुख होते हैं। इस विशिष्टता ने छात्रों को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आकर्षित किया। इस आयोजन में करीब 50 छात्र उपस्थित रहे। ये सत्र प्रभावित करने वाला था और छात्रों ने कैरियर विकास के मुद्दों पर प्रश्न पूछा और विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देकर इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया।

विवि की गतिविधियां छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में मददगार

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय के डीन छात्र कल्याण ने ओरिएंटेशन सप्ताह के अंतिम दिन वनस्पति विज्ञान, भौतिकी, प्राणीशास्त्र, सांख्यिकी, खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी, जैव रसायन, एप्लाइड जियोलॉजी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग के छात्रों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। लविवि की परंपरा का पालन करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं विवि के कुलगीत से हुई। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.संगीता साहू ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने छात्रों को विवि में प्रवेश पाने के लिए बधाई दी और उन्हें विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जो उनके व्यक्तित्व निर्माण में मदद

करती हैं। कार्यक्रम की शोभा कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने बढ़ाई। उन्होंने छात्र-छात्राओं से बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक संस्थान की अपनी अनूठी संस्कृति होती है। इसलिए छात्रों को इसकी प्रशंसा करनी चाहिए और ईमानदारी से इसका पालन करना चाहिए। इसके अलावा प्रो.विभूति राय, डीन विज्ञान संकाय ने छात्रों को अपने संकाय से सर्वोत्तम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद अतिरिक्त निदेशक सीपीसी डॉ. सुनीता श्रीवास्तव ने प्लेसमेंट के संबंध में छात्रों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने उनसे पूरी तरह से अपने कौशल के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। जिससे उन्हें भविष्य में दुनिया का सामना करने में मदद मिलेगी। जेनसेन की संयोजिका डॉ.रोली मिश्रा ने सेल के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी कि लविवि ने परिसर में लिंग आधारित हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई है। साथ ही विवि समुदाय को ऐसा माहौल प्रदान करने के लिए है।

डांडिया नाइट में छात्राओं ने दी रंगारंग प्रस्तुति

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय के गंगा छात्रावास में कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के संरक्षण में नवरात्र के अवसर पर हवन पूजन तथा डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। इस मौके पर यहां की अंतःवासी छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उत्सव में लविवि के चीफ प्रोवोस्ट प्रो.अनूप कुमार सिंह, द्वितीय परिसर के निदेशक एवं विधि संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.बीडी सिंह और विभिन्न छात्रावासों के प्रोवोस्ट और सहायक प्रोवोस्ट संयोजक डॉ. नीत